|  |
| --- |
| 26. Juni 2022 |
| **13. Sonntag im Jahreskreis C** |
| Erste Lesung: 1 Kön 19,16b.19-21; Zweite Lesung: Gal 5,1.13-18; Evangelium: Lk 9,51-62 |
|  |  |  |
| Eröffnung: | GL 400 | Ich lobe meinen Gott |
|  | GL 551, 1+2! | Nun singt ein neues Lied |
|  | GL 712 | Singt dem Herrn alle Völker |
|  | GL 713, 1-3 | Du hast uns, Herr, gerufen |
|  |  |  |
| Kyrie: | GL 128 | Herr, erbarme dich |
| Gloria: | GL 168, 1+2 | Gloria. Ehre Gott in der Höhe |
|  |  |  |
| Antwortgesang: | Psalm 16, 1-2.5-9.11 |  |
|  | Kehrvers:  |  |
|  | GL 629, 3 | Ich gehen meinen Weg vor Gott |
|  | oder |  |
|  | GL 140, 2+3 | Er ist Gott, Gott für uns |
|  | GL 543, 1+5 | Wohl denen, die da wandeln |
|  | Wenn nur die 2. Lesung genommen wird: |
|  | GL 347, 4 | Der Geist des Herrn durchweht die Welt |
|  |  |  |
| Halleluja-Ruf: | GL 175, 4 |  |
|  | Vers: |  |
|  | *Rede, Herr, dein Diener hört.* |
|  | *Du hast Worte des ewigen Lebens.* |
|  | oder |
|  | GL 483, 3 | Halleluja. Gehet nicht auf |
|  |  |  |
| Credo: | GL 491, 1-3 | Ich bin getauft |
|  |  |  |
| Gabenbereitung: | GL 40, 1-5 | Hilf, Herr, meines Lebens |
|  | GL 474, 1-4! | Wenn wir das Leben teilen |
|  | GL 477, 1+2 | Gott ruft sein Violk zusammen |
| Sanctus: | GL 129 | Heilig |
| Agnus Dei: | GL 203 | O Lamm Gottes |
| Danksagung:  | GL 275, 1!+2+4 | Selig, wem Christus |
|  | Alternativmelodie: | GL 484 |
|  | GL 360, 5 | Die ihr von Christi Hause seid |
|  | GL 377, 1+2 | O Jesu, all mein Leben bist du |
| Schluss: | GL 464, 1+5+8 | Gott liebt diese Welt |
|  | GL 455, 1+2+4 | Alles meinem Gott zu Ehren |
|  | GL 468, 1-3 | Gott gab uns Atem, damit wir leben |
|  | GL 453 | Bewahre uns, Gott |
|  | GL 456, 2+4! | Herr, du bist mein Leben |